

DR. MUKUT MINZ

Dr. Mukut Minz is currently the director of Transplant Surgery at Fortis Hospital, Mohali, Punjab. He joined post graduate institute of medical education and research (PGIMER), Chandigarh as assistant professor of transplant surgery in 1986 and rose to become Senior Professor and Head of the Department in 1999. He served as a member of the Governing Body of PGIMER from 2015-2016. He superannuated on the 31st of July 2016.

2. Born on July 02, 1951, Dr. Minz received his MBBS degree in 1975 from Veer Surendra Sai Medical College, Sambalpur University, Odisha. He received his master's degree MS (General Surgery) in 1982 from PGIMER, Chandigarh.

3. Dr. Minz received advanced training in organ transplantation in University of Oslo (Norway), University of Heidelberg (Germany), University of Munich (Germany) and University of Minnesota (USA). He rendered yeoman services in nurturing the transplant program in the PGIMER, Chandigarh, into one of the largest transplant programs in a Government Institute in India. He created the Department of Renal Transplant Surgery, in 2005, which is one of its kinds in the country. He has performed nearly 3400 kidney transplantations. He established Laparoscopic donor nephrectomy in the department in 2004. Dr. Minz conducted live demonstration of Laparoscopic donor nephrectomy at the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi in December 2012. On the request of the department of Health and Family welfare, Government of Odisha, he helped to start kidney transplantation program in Shree Ram Chandra Bhanja (S.C.B.) Medical College and Hospital, Cuttack, Odisha. For his contribution in the field of transplantation, he was awarded Odisha Gourav Samman in 2012.

4. Dr. Minz has trained 30 transplant surgeons and his students now lead active transplant programs in India as well as overseas in the United Kingdom, United States of America and Australia. In 1996, Dr. Minz performed the first deceased donor kidney transplantation in the whole of north India after the enactment of Transplantation of Human Organs Act, 1994. In this way, he expanded the Deceased Donor Transplant Program in the Institute and established a successful Pancreas Transplant Program at PGIMER which is one of the pioneering centers in India. The first kidney-pancreas transplantation was performed by Dr. Minz in PGIMER in December 2014. Up until his retirement he has performed 6 of these operations with successful outcomes. He organized the first national CME on pancreas transplantation on July 23-24, 2016 for promotion of pancreas transplantation program in the country.

5. Dr. Minz has been the Chairman of Regional Organ and Tissue Transplant Organizations (ROTTO) at the PGIMER, Chandigarh. He has also been the Managing Trustee of Organ Transplantation Trust, elected Vice-President of the Indian Society of Organ Transplantation(ISOT, 2012- 14) and active member of European Society of Organ Transplantation (ESOT). Currently he is an Associate Editor of the Indian Journal of Transplantation. He has the membership of various scientific/professional societies including ESOT, Asian Society of Transplantation, International Pancreas and Islet Transplant Association, the Association of Surgeons of India, ISOT and the Transplantation Society. He delivered the First Prof. R.V.S Yadav Memorial Oration, ISOT, Bangalore- 2007 and Bhubaneshwar Oration, Association of Surgeons of India, Odisha Chapter- 2015. He was conferred the degree of DOCTOR OF SCIENCE (Honoris causa) by the Utkal University, Odisha, in February, 2017 in recognition of his contribution to the field of Transplant Surgery.



डॉ. मुकुट मिंज

डॉ. मुकुट मिंज वर्तमान में फोर्टिस अस्पताल, मोहाली, पंजाब में ट्रांसप्लांट सर्जरी के निदेशक हैं। आपने वर्ष 1986 में परास्नातक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में ट्रांसप्लांट सर्जरी के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य ग्रहण किया और आगे चलकर वरिष्ठ प्रोफेसर तथा वर्ष 1999 में विभागाध्यक्ष बने। आपने वर्ष 2015-2016 तक परास्नातक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के शासी निकाय के एक सदस्य के रूप में कार्य किया। आप 31 जुलाई, 2016 को सेवानिवृत्त हो गए हैं ।

2. आपका जन्म 02 जुलाई, 1951 को हुआ था। आपने वीर सुरेन्द्र साई मेडिकल कॉलेज, सम्बलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से वर्ष 1975 में एम बी बी एस की उपाधि प्राप्त की। आपने पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ से वर्ष 1982 में एम एस (जनरल सर्जरी) की परास्नातक उपाधि हासिल की।

3. आपने ओसलो (नार्वे) विश्वविद्यालय, हीडेलबर्ग (जर्मनी) विश्वविद्यालय, म्यूनिख (जर्मनी) विश्वविद्यालय तथा मिनेसोटा (यू एस ए) विश्वविद्यालय से अंग प्रत्यारोपण में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने पी जी आई एम ई आर चंडीगढ़ में, भारत के किसी सरकारी संस्थान में सबसे विशाल अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम में से एक कार्यक्रम के परिपोषण में संकटकालीन सेवाएँ प्रदान की। आपने वर्ष 2005 में गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी विभाग सृजित किया, जो देश में अपने किस्म का एक अलग विभाग है। आपने लगभग 3400 गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी की हैं। आपने वर्ष 2004 में इस विभाग में लैपरोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी की स्थापना की। आपने दिसम्बर, 2012 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में लैपरोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टोमी का सजीव प्रदर्शन किया था। ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अनुरोध पर आपने श्रीराम चन्द्र भांजा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कटक, ओडिशा में गुर्दा प्रत्यारोपण कार्यक्रम शुरू करने के लिए सहायता प्रदान की। प्रत्यारोपण के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए आपको वर्ष 2012 में ओडिशा गौरव सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

4. आपने 30 प्रत्यारोपण सर्जनों को प्रशिक्षित किया है और आपके विद्यार्थी अब भारत के साथ-साथ देश के बाहर यूनाइटेड किंग्डम, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया में सक्रिय प्रत्यारोपण कार्यक्रमों का नेतृत्व कर रहे हैं। वर्ष 1996 में आपने, मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के अधिनियमन के बाद पूरे उत्तर भारत में पहला मृत अंगदान गुर्दे का प्रत्यारोपण किया। इस प्रकार से, आपने संस्थान में मृत अंगदान प्रत्यारोपण कार्यक्रम का विस्तार किया और पी जी आई एम ई आर में एक सफल अग्न्याशय प्रत्यारोपण कार्यक्रम की स्थापना की जोकि भारत के अग्रणी केन्द्रों में से एक है। आपके द्वारा पहला गुर्दा – अग्न्याशय प्रत्यारोपण दिसम्बर-2014 में पी जी आई एम ई आर में किया गया था। आपके सेवानिवृत्त होने तक, आपने सफल नतीजों के साथ इनमें से 6 ऑपरेशन किए थे। देश में अग्न्याशय प्रत्यारोपण कार्यक्रम को विकसित करने के लिए आपने 23-24 जुलाई, 2016 को अग्न्याशय प्रत्यारोपण पर पहले राष्ट्रीय सी एम ई का आयोजन किया था।

5. आप पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठनों के अध्यक्ष रहे हैं। आप अंग प्रत्यारोपण न्यास के प्रबंध न्यासी, भारतीय अंग प्रत्यारोपण सोसायटी (2012-14) के चयनित उपाध्यक्ष तथा यूरोपीय अंग प्रत्यारोपण सोसायटी के सक्रिय सदस्य भी रहे हैं। वर्तमान में आप प्रत्यारोपण संबंधी इंडियन जर्नल के एसोसिएट संपादक हैं। आपको ई एस ओ टी, एशियन सोसायटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन, इंटरनेशनल पैंक्रियाज एंड इसलेट ट्रांसप्लांट एसोसिएशन, द एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, आई एस ओ टी एंड द ट्रांसप्लांटेशन सोसायटी सहित विभिन्न वैज्ञानिक/व्यावसायिक सोसायटियों की सदस्यता मिली हुई है। आपने प्रथम प्रो. आर वी एस यादव स्मारक व्याखान, आई एस ओ टी, बेंगलुरू-2007 तथा भुवनेश्वर व्याख्यान एशोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, ओडिशा चैप्टर-2015 में भी व्याख्यान दिए। आपको उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा प्रत्यारोपण सर्जरी के क्षेत्र में आपके योगदान के मान्यता स्वरूप फरवरी, 2017 में डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद) की उपाधि से नवाज़ा गया।